RAS Mains Test Series - 2018

TIME: 3 Hours
Maximum Marks: 200

Name:
Mobile No.:
Exam. Date:

For more information visit at Fb Page: inception RAS
समाजशास्त्र

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 15 शब्दों में दीजिए।

(10×2=20)

प्रश्न 1. खाप पंचायतों के दो सकारात्मक कार्य बताइये।


प्रश्न 2. सामाजिक मूल्य क्या होते हैं?


प्रश्न 3. जातिय गतिशीलता से क्या तात्त्विक है?


प्रश्न 4. संस्कृतिकरण को समझाइये।


प्रश्न 5. "वर्ग" से क्या तात्त्विक है?


Inception RAS

A-20, आरम्भ, कैंनरा बैंक के ऊपर, रिद्धि-सिंधि चौपी के पास, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर (राज.)
प्रश्न 6. धर्मनिरपेक्षता का अर्थ बताइए।


प्रश्न 7. भारत में साम्राज्यविकास के कौन-कौन से स्वरूप विद्यमान है।


प्रश्न 8. वर्ण व्यवस्था का क्या महत्त्व था।


प्रश्न 9. आश्रम व्यवस्था को समझाइं।


प्रश्न 10. समाचार के संस्कार क्या होता है।


सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों में दीजिए।

प्रश्न 11. पुरुषाधिकार का अर्थ स्पष्ट करते हुए इसके प्रकारों को बताइए।
प्रश्न 12. बहुसंस्कृतिवाद (Multi-culturalism) को समझाएं तथा इसके लाभ बताएं।

प्रश्न 13. जाति एवं वर्ग में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
प्रश्न 14. राजनीति में जाति एवं जाति में राजनीति का अर्थ स्पष्ट करते हुए जाति की राजनीति के कोई 2 लाभ बताइए।

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 100 शब्दों में दीजिए। (3×10=30)

प्रश्न 15. प्रमुख भारतीय समाजशास्त्री विद्वानों के नाम लिखते हुए किसी एक का वर्णन कीजिए।
प्रश्न 16. राजस्थान की प्रमुख जनजातियों की अवस्थिति का परिचय देते हुए भील जनजाति के सामाजिक-आर्थिक जीवन पर लेख लिखिए।
प्रश्न 17. जाति व्यवस्था क्या है। जाति व्यवस्था ने भारतीय लोकतन्त्र को सशक्त किया है। इस कदम के आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।
प्रबन्धन (MANAGEMENT)

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 15 शब्दों में दीजिए।  
(10×2=20)

प्रश्न 18. प्रबन्धन को समझाइये।


प्रश्न 19. समन्वय (Coordination) किसे कहते हैं।


Inception RAS  A-20, आरम्भ, कैनरा बैंक के ऊपर, रिद्वी-सिब्दी चौराहा 
के पास, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर (राज.)
प्रश्न 20. कार्यात्मक निर्णय (Programmed decision)

प्रश्न 21. नियन्त्रण के क्षेत्र को समझाइये।

प्रश्न 22. हर्वेट साइजन के अनुसार निर्णय प्रक्रिया के 3 चरण कौन-कौन से हैं।

प्रश्न 23. डेल्टी तकनीक को समझाइए।

प्रश्न 24. धन के अधिकतमीकरण के सिद्धांत के कोई 2 उद्देश्य बताइये।
प्रश्न 25. विन के अल्पकालिन स्थोल कोन कोन से हैं।


प्रश्न 26. पूर्णी की लागत से क्या तात्पर्य है।


प्रश्न 27. विपणन की उत्पाद अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।


सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों में दीजिए।

प्रश्न 28. अभिप्रेतणा को समझाइए।


(4×5=20)
प्रश्न 29. संचार को समझाइये।

प्रश्न 30. पदोन्नति के आधार व्या-व्या है।

प्रश्न 31. विज्ञान मिश्रण के 4 प्रमुख तत्त्व कौन-कौन से हैं।
सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 100 शब्दों में दीजिए।
(3×10=30)

प्रश्न 32. प्रत्यक्ष भत्ति और अप्रत्यक्ष भत्ति में अन्तर स्पष्ट करते हुए प्रत्यक्ष भत्ति की हानियाँ क्या-क्या बतायें।
प्रश्न 33. नेतृत्व के सिद्धांत को समझाइए।
प्रूप्त 34। विपणन के अर्थ को समझाते हुए इसकी विशेषताएँ एवं महत्त्व बताइए।
लेखांकन एवं अंकेक्षण
सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 15 शब्दों में दीजिए।

5×2=20

प्रश्न 35. विडा ड्रेसिंग (काल्पनिक साह-सज्जा) से आप क्या समझते हैं?

प्रश्न 36. वित्तीय विवरण विश्लेषण के कोई दो उद्देश्य बताइए।

प्रश्न 37. पूँजी देशीकरण अनुपात क्या है?

प्रश्न 38. कार्यशील पूँजी से क्या तात्पर्य है?

Inception RAS A-20, आरम्भ, कैनरा बैंक के ऊपर, रियाण-सिद्धी चोराहा के पास, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर (राज.)
प्रश्न 39. सामाजिक लेखांकन किसे कहते हैं


सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों में दीजिए।

(6×5=30)

प्रश्न 40. अंकेक्षण के उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।


प्रश्न 41. गलती एवं कपट में अंतर स्पष्ट कीजिए।


Inception RAS
A-20, आरम्भ, केनरा बैंक के ऊपर, रिम्पी-सिन्ही चौराहा के पास, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर (राज.)
प्रश्न 42. बजटीय नियंत्रण की सफलता के लिए आवश्यक तत्त्व क्या-क्या है।

प्रश्न 43. विपणन नियंत्रण के लिए अनुपात तत्त्व कौन-कौन से है।

बजट प्रबन्धन

Inception RAS

A-20, आरम्भ, कैनरा बैंक के ऊपर, रिश्वी-सिद्धी चौराहा के पास, गोपालपुर बाड़ियास, जयपुर (राज.)
प्रश्न 44. जोच और अंकेश्वर में कोई 3 अंतर बताइए।

प्रश्न 45. सामाजिक अंकेश्वर से क्या तात्त्वक है?

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 100 शब्दों में दीजिए।

प्रश्न 46. विश्वविद्यालय का अर्थ स्पष्ट करते हुए इसकी प्रमुख विभिन्न के वर्णन करें।

(2×10=20)
प्रश्न 47. हाल ही के दिनों में "एक स्मल चुनाव की मांग" समाचार पत्रों में चर्चा में रही। यह RAS मुख्य परीक्षा में निवेश का महत्वपूर्ण विषय हो सकता है अतः आप से निर्देशन है आप इस विषय पर एक निबंध लिखिए।
Inception RAS

RAS Mains Test Series - 2018

समाजशास्त्र, प्रबन्धन, अंकेक्षण

TIME : 3 Hours

Maximum Marks : 200

For more information visit at Fb Page : inception RAS

Solution
प्रश्न 1. खाप बचाव से दो सकारात्मक कार्य बताओ।
उत्तर (1) देहज एवं वाल विवाह विरोधी कार्य (2) कन्या भूषण हृदय पर रोक सम्बन्धी कार्य (3) स्त्री शिशु प्रसार (4) जनसंख्या नियंत्रण पर कार्य।

प्रश्न 2. सामाजिक मूर्ति क्या होती है?
उत्तर समाज का आदर, लक्ष्य, जिसको समाज उपयोगी मानता है तथा अपेक्षा करता है कि समाज के सभी लोग इनका पालन करें जैसे आहिरं, सच्च, इमानदार, सहनशीलता, चौरी नहीं करना आदि।

प्रश्न 3. जातिगत गतिशीलता से क्या तात्पर्य है?
उत्तर जातिगत व्यवस्था के अन्तर्गत किसी जाति समूह का सोपान क्रम में नीचे से ऊपर या ऊपर से नीचे आना-जाना जातिगत गतिशीलता कहलाता है।(एम.एन. स्वामीनाथन)

प्रश्न 4. संस्कृतिकरण को समझाए।
उत्तर संस्कृतिकरण से तात्पर्य ऐसे प्रकार है जिसके अन्तर्गत निम्न हिंदू जातियों वा जनजातियों वा अन्य समूह अपने से ऊँचा जाति प्राप्त; दिनु जातियों की जीवन शैली को अपनाकर जातिगत सोपान क्रम में अपने को ऊँचा उठाने का प्रयास करते हैं।

प्रश्न 5. "वर्ग" से क्या तात्पर्य है?
उत्तर आधिकारिक व्यवस्था में एक जैसी आधिकारिक स्थिति वाले व्यक्तियों के समूह को वर्ग कहते हैं जैसे उच्च वर्ग, मध्यम वर्ग, निम्न वर्ग, या उद्योगपति वर्ग, श्रमिक वर्ग आदि।

प्रश्न 6. धर्मनिरपेक्षता का अर्थ बताओ।
उत्तर सामाजिक जीवन के सभी क्षेत्रों से धर्म के अत्यावृत्त एवं अत्याचारिक प्रभावों के उम्मीद से बल देने वाले विचारधारा धर्मनिरपेक्षता कहलाती है। (नोट : आप उत्तर को अन्य तरीके से भी लिख सकते हैं।)

प्रश्न 7. भारत में सामाजिकता के कौन-कौन से स्वरूप विद्यमान है?
उत्तर 1. हिंदू-पुरुषीय सामाजिकता (सामाजिक प्रवत)
2. हिंदू-ईसाई सामाजिकता (सीमित मात्रा में)
3. सिख धर्म के दो समाजों में भी सीमित मात्रा में उपलब्ध है।

प्रश्न 8. वर्ग व्यवस्था का क्या महत्व था?
उत्तर 1. श्रम विभाजन
2. मानवशक्ति एवं योग्यता को इसके अनुसार क्षेत्र में लगाना।
3. अपने कर्तव्यों का पालन प्रत्येक व्यक्ति का सामाजिक धर्म।
4. समाज में स्पर्श एवं वेतनकोटा को हटाकर सुव्यवस्था एवं सामाजिकता की स्थापना।

प्रश्न 9. आधुनिक व्यवस्था को समझाए।
उत्तर मनुष्य के व्यक्तित्व संस्कार या जीवन के विकास क्रम में उसकी स्थिति के अनुसार आधुनिक धर्म की व्यवस्था को गई है आधुनिक 4 है। वँडचर्चा, गृहस्थ, बाणग्रस्त, सन्नास।
प्रश्न 10. समावेशन संस्कार क्या होता है?
उत्तर गुरुकुल में शिक्षा समाप्त कर लेने के पश्चात् विद्यार्थी जब अपने घर लौटते थे तब समावेशन नामक संस्कार होता था। इसका साहित्यिक अर्थ है 'गुरु के आश्रम से स्वयं को चाहें लौटना'।

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रथमे प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों में दीजिए। (4×5=20)

प्रश्न 11. पुरुषार्थ का अर्थ स्पष्ट करते हुए इसके प्रकारों को बताइए।
उत्तर 'पुरुषार्थ' का अर्थ है - पुरुष या मनुष्य का लक्ष्य। प्राचीन भारतीय सांस्कृतिक व्यवस्था में मनुष्य और समाज के सर्वोच्चियुक्ति उद्देश्य हेतु जिन आदर्शों का विश्लेषण किया गया उन्हें पुरुषार्थ की संज्ञा दी जाती है। पुरुषार्थ का उदेश न्युनता के नैतिक उद्देश्य के साथ-साथ भौतिक एवं आध्यात्मिक आनंद के बीच सामान्यता स्थापित करना था। मानव जीवन के विभिन्न चिंता एवं उनकी आवश्यकताओं की क्षमा में रखते हुए चार पुरुषार्थों का प्रतिगमन किया है धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष। इसमें मोक्ष सबसे स्थिर पुरुषार्थ है।

प्रश्न 12. बहुसंस्कृति (Multi-culturalism) को समझाइए तथा इसके लाभ बताइए।
उत्तर बहुसंस्कृति एक ऐसी अवधारणा है जो विभिन्न सांस्कृतिक पहलवानों को सुरक्षित रखते हुए सांस्कृतिक विभिन्नता का संरक्षण एवं प्रोत्साहन करती है। स्पष्ट है कि इस अवधारणा में विभिन्न संस्कृतियों के सहायता एवं संरक्षण के साथ-साथ सहसंयुक्त का आधार विश्वास है। लाभ निम्न प्रकार है:
1. समाज व जीवन को समृद्ध बनाना है।
2. भाषा गतिविधियों का व्यापक बनाना है जिससे स्वतंत्रता का विकास होता है।
3. अन्तरराष्ट्रीय में सुरक्षा का भाव बढ़ता है उनमें आत्मविश्वास, आत्मगौरव का भाव आता है।

प्रश्न 13. जाति एवं वर्ग में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
उत्तर जाति
1. जाति की सदस्यता जन्म से
2. जाति सामाजिक स्तरीकरण का बंद स्वरूप
3. जाति के अन्तर्गत विवाह अनिवार्य
4. जाति में उच्चता निम्नता का आधार धार्मिक
शक्तियों या अर्थशक्तियों की विचारधारा
उद्धारण: जाति जाति

प्रश्न 14. राजनीति में जाति एवं जाति में राजनीति का अर्थ स्पष्ट करते हुए जाति की राजनीति के कोई 2 लाभ बताइए।
उत्तर राजनीति में जाति: राजनीतिक दल द्वारा सत्ता प्राप्ति हेतु जाति का उपयोग जैसे बसपा, एवं टिकट बनाया।
जाति आधारित।
जाति में राजनीति: लोगों द्वारा जाति के आधार पर संगठित होकर चुनाव देना, सत्ता प्राप्त करना।
1. जातिय आधार पर राजनीतिक दलों के निर्माण द्वारा सत्ता संकुलता स्थापित होता एवं लोकतन्त्र का विकास होता है।
2. निक्षेप जातियों में राजनीतिक आधुनिकता एवं राजनीतिक समाजीकरण द्वारा उनकी राजनीतिक सहभागिता एवं विदेश व्यवहार बढ़ता है एवं लोकतंत्र मजबूत होता है।
सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 100 शब्दों में दीजिए।

प्रश्न 15. प्रमुख भारतीय समाजशास्त्री विद्वानों के नाम लिखते हुए किसी एक का बयान कीजिए।
उत्तर 
गोविन्द सरासिंह घुटेके, डॉ.पी. मुखर्जी, ए.अर. देसाई, एम.एन. श्रीनाभासन, आर.के. मुखर्जी।
गोविन्द सदाशिव धुवे (1893-1983) भारतीय समाजशास्त्र में इनका अभिप्रेरणा योगदान है। इसलिए इन्हें भारतीय समाजशास्त्र का जनक कहा जाता है। इनका जन्म 1893 में महाराष्ट्र में हुआ, सन् 1918 में इन्होंने एम.ए. की पीएच्ड एलिफ्टन कॉलेज मुंबई; के उत्तरी क्षेत्र के वाणिज्य निकुट हो गये। इन्होंने ही 1919 में पेट्रस ग़ुड़ीज ने मुंबई विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र की स्थापना के लिए आमंत्रित किया था। इन्होंने अपना डाइवर्ट लंदन से प्रो. हेडन के निर्देशन में ‘रेस एड टार्ट इन इंडिया’ नामक विषय पर किया। कान्ट एड रेस इन इंडिया (1932), कल्चर एवं सोसाइटी (1945), विद इंडिया (1979), इनकी प्रमुख किताबें हैं।
घुवे का योगदान: घुवे सम्बन्ध के विकास के अध्ययन में विशेष रूप से। उनकी रूपया सभ्यताओं के तुलनात्मक अध्ययन में थी। ऐसा करने में भी उनके अध्ययन का केन्द्रीय विषय भारतीय समाज हो था। भारतीय समाज में भी प्रजाति एवं जाति मुख्य थी।
इन्होंने जाति के 6 प्रमुख विशेषताओं के बारे में कहा कि उत्तर 100 शब्द के अधीन था।
1. समाज का खण्डालक विभाजन
2. संस्तरण
3. भोजन व वातावरण के सामाजिक सहवास पर प्रभाव
4. नागरिक एवं धार्मिक नियोजन एवं विशेषाधिकार
5. निरोध आद्यावर
6. विवाह सम्बन्धी प्रतिक्रिया

प्रश्न 16. राजस्थान की प्रमुख जनजातियों की अवस्थिति का परिचय देने हुए भील जनजाति के सामाजिक - 
आर्थिक जीवन पर लेख लिखिए।
उत्तर 
1. भील: खूंगायर, बांसवाड़ा, प्रातापगढ़, उदयपुर
2. गारसिया: सिरोही, आबुरोड
3. बीशा: उदयपुर, बांसवाड़ा, जयपुर, दैशा, सवाईमाधोपुर
4. सरिया: भिंसनगंज, व शाहवाड (बांसवाड़ा)
5. डामर: दूंगापुर
भील जनजाति का सामाजिक आर्थिक जीवन
सामाजिक: पितृसनमक समाज, संयुक्त परिवार, सरकार का सेवन (स्मी बू मूल्य), जाहीरदार, तंब-मंत्र में विवाह, नाता जन्म, हाथीमान नृत्य भीलों के 2 वर्ग हैं 1. लंगरिया भील, 2. बोलीदाड भील।
आर्थिक: कृषि, पशुपालन, ब विभाग प्रमुख वियावास, जंगल से वस्तुओं का संग्रहण, श्रमिक व कृषि मजदूर का काम।

प्रश्न 17. जाति व्यवस्था व्यक्ति है। जाति व्यवस्था ने भारतीय लोकतंत्र को सशक्त किया है। इस कारण के 
आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।
उत्तर जाति एक अन्तर्वासिक समूह है जिसकी सदस्यता वंशानुगत होती है जो इस अपने सदस्यों के उपर 
सामाजिक सहवास के सम्बन्ध में कुछ प्रतिक्रिया लगाता है।
निम्न प्रकार से जाति व्यवस्था ने भारतीय लोकतन्त्र को सशक्त किया है।
1. पिछड़े तबकों को संगठित करने के आधार पर
2. संसद एवं विधानसभाओं में निम्न जातियों को स्थान
3. जातिव प्रवास समूह के रूप में
अब जातियों का राजनीतिकरण होने से उनका सशक्तिकरण हुआ है लेकिन यह भारतीय लोकतन्त्रके सामने चुनौति भी साबित हो रही हैं। जैसे
1. 'अम्बुड़ी' ओर 'पिछड़ी' जातियों में संचर जैसे यादव बनाम भूमिपाल, जात बनाम राजपूत
2. जातियों का राजनीतिकरण होने से रोट बैंक की राजनीति
3. जाति द्रुप बढ़ना?
4. जातिवाद राष्ट्रीय एकता में बाधक

प्रबन्धन (MANAGEMENT)

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 15 शब्दों में दीजिए।

(10×2=20)

प्रश्न 18. प्रबन्धन को समझाइये।
उत्तर प्रबन्धन एक बहुआयामी संकल्पना है जिसमें कार्यकर्ताओं, कार्यालय एवं अन्य संसाधनों को इस प्रकार नियोजित, समन्वित, प्रेरित, नियन्त्रित, संचालित, संचालित एवं निर्देशित किया जाये ताकि पूर्व निर्धारित लक्ष्य को प्रभावी ढंग से प्राप्त किया जा सके।

प्रश्न 19. समन्वय (Coordination) किसे कहते हैं।
उत्तर किसी भी संगठन के सदस्यों एवं विभिन्न इकाइयों के कार्य के बीच विवादों एवं विरोधाभासों को दूर कर उनके बीच सहयोगी तालमेल तथा समयोजन एवं टीमवर्क की भावना विकसित करना ही समन्वय है।

प्रश्न 20. कार्यात्मक निर्णय (Programmed decision)
उत्तर हरबल साइण्ड के अनुसार कार्यरत कार्यात्मक निर्णय वे होते हैं जो किसी संगठन या संस्था के प्रतिद्वंद्वित के कार्यों से संबंधित होते हैं तथा जिनके लिए निर्धारित प्रक्रिया एवं उपरेखा निर्धारित होती है जैसे ड्राइविंग लाइसेंस जारी करना।

प्रश्न 21. नियन्त्रण के क्षेत्र को समझाइये।
उत्तर नियन्त्रण के क्षेत्र पद संपूर्णच्च व्यवस्था एवं आदेशों की एकता से सम्बन्धित है जो किसी नियन्त्रकार्य अधिकारी में होती है अर्थात् एक अधिकारी एक अपमान में कितने अधिकारों को नियंत्रित एवं निर्देशित कर सकता है।

प्रश्न 22. हरबल साइण्ड के अनुसार निर्णय प्रक्रिया के 3 चरण कौन-कौन से हैं।
उत्तर 1. अन्वेषण गतिविधि
2. डिजाइन गतिविधि
3. चयन गतिविधि

प्रश्न 23. डिस्कॉक तकनीक को समझाइये।
उत्तर आधुनिक प्रबन्ध में निर्णय की नवीनता तकनीक। इसमें किसी समस्या पर प्रत्येक सदस्य अपनी राय रखता है, उन पर सुविचार और विश्लेषण कर सुधार करके, सार्वभौम स्वीकृति बनायी जाती है।
प्रश्न 24. धन के अधिकतमकरण के सिद्धांत के कोई 2 उदाहरण बताइये।
उत्तर
1. संस्था के अंगों में वृद्धि करना।
2. निवेशकों को निवेश पर अधिकतम प्रत्याद (लाभ) देना।
3. व्यवसाय का अथवा संस्था की विनियमी विकास।
4. संस्था के शुद्ध कीमत में वृद्धि करना।

प्रश्न 25. वित्त के अल्पकालिक स्मृत कौन-कौन से हैं?
उत्तर
चार्जिक प्रगति, विनियम विलि, ग्राहकों द्वारा आग्रह, बैंक गारंटी, बैंक अधिवक्ता इत्यादि।

प्रश्न 26. पूंजी की लागत से क्या तत्त्व है?
उत्तर
किसी भी संस्था के प्रबंधकों को समय-समय पर विभिन्न अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक कार्यों हेतु पूंजी की आवश्यकता होती है इस पूंजी हेतु संस्था जो प्रत्याद की दर चुकाती है उसे पूंजी लागत कहते हैं।

प्रश्न 27. विपणन की उपयोग अभावरण की स्पष्ट कीजिए।
उत्तर
यह अभावरण बताता है कि उपयोगकर्ता ने ऐसे उत्पादों पर ध्यान देना चाहिए जिसे ग्राहक अधिकतम पसंद करते हैं। इस अभावरण के अनुसार यह विपणन करते हैं कि बाजार में गुणवत्ता पूर्ण उत्पाद विक्रता है।

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों में दीजिए। (4×5=20)

प्रश्न 28. अभिप्रेयण को समझाइये।
उत्तर
अभिप्रेयण वह भाषा है जिसके द्वारा एक व्यक्ति दूसरे व्यक्तियों की किसी विशिष्ट कार्य को नियामित करने के लिए तपशील करता है। प्रबंधकों को कार्य को नियामित करने के लिए आर्थिक एवं मानवीय संसाधन उपयोग करता होता है। आर्थिक संसाधनों का अनुकूलतम उपयोग आधुनिक तकनीकों की सहायता से किया जा सकता है परन्तु मानवीय संसाधन से विभिन्न कार्य करने के लिए अभिप्रेयण की आवश्यकता होती है जो उसे कार्य करने के लिए अभिप्रेत करती है, उसकी आंतरिक उद्देश्य जाग्रत करती है।

प्रश्न 29. संचार को समझाइये।
उत्तर
संचार का अर्थ दो भाषा दो भाषा से अधिक व्यक्तियों अथवा सांगतिक इकाइयों के मध्य विचारों, तथ्यों या समझ के पारस्परिक आदान-प्रदान से है। यह एक प्रक्रिया है जिसमें आलग-आलग इकाइयों एक दूसरे के औचित्य, उपयोग, और महत्त्व को समझती है तथा सांगतिक उद्देश्यों को साझा करती है।

प्रश्न 30. पदोन्नति के आधार क्या-क्या है?
उत्तर
1. योग्यता।
2. वरिष्ठता।
3. भिन्नता व्यवस्था: यह भिन्नता व्यवस्था है इसमें कार्मिकों के एक समूह से योग्यता के एक पदोन्नति के लिए कुछ का चयन कर लिया जाता है उनमें से उपयुक्त पद पर परिवर्तित कर उनकी वरिष्ठता एवं अनुभव के आधार पर कर दी जाती है।

प्रश्न 31. विपणन मिश्रण के 4 प्रमुख तत्त्व कौन-कौन से है?
उत्तर
1. उत्पादन (Product)
2. मूल्य (Price)
3. स्थान (Place)
4. संचार (Promotion)
प्रश्न 32.
प्रत्यक्ष भावी और अप्रत्यक्ष भावी में अन्तर स्पष्ट करते हुए प्रत्यक्ष भावी की हानियाँ व्यक्त करें।
उत्तर
प्रत्यक्ष भावी से ताल्पर्व उन भावियों से हैं जिनके लिए जन-साधारण से आवेदन स्वीकार किये जाते हैं जबकि अप्रत्यक्ष भावी से ताल्पर्व सांगठनिक पदों पर विज्ञापन व्यक्तियों की ही आवेदन करने के लिए प्रस्तावित करता है।
प्रत्यक्ष भावी से हानियाँ निम्न हैं:
1. यह एक खराब तरीका होता है इसमें लाखों आवेदनों का परीक्षण, परीक्षा करवानी पड़ती है, प्रशासन के लिए ऐसा आयोजन करना कठिन कार्य हो जाता है।
2. चयन के बाद युवाओं में सांगठनिक संस्कृति, मूल्यों और बहादुर निष्पादन के लिए प्रशिक्षित करना पड़ता है जिस कारण से एक ओर लागत बढ़ती है तथा दूसरी ओर कार्यों में विलम्ब भी हो जाता है।
3. पुराने कर्मचारियों के ऊपर वाहर से चालू व्यक्तियों की नियुक्ति से उनका मनोबल भी गिरता है तथा निष्पादन प्रतिकूल रूप से प्रभावित होता है।
4. इससे भारतीय लोक सेवा आयोगों में और पर्याप्त चौरा जैसी घटनाएं भी बढ़ रही है।

प्रश्न 33.
नेतृत्व के सिद्धांत को समझाए।
उत्तर
अधिकारी द्वारा अधिनस्त से लक्ष्य प्राप्त हेतु किसी विशेष परिस्थिति में प्रभावित करने की क्षमता नेतृत्व कहलाती है। नेतृत्व ऐसी प्रक्रिया है जिसमें प्रबंधक अपने अधिनस्त कर्मचारियों व सहकर्मियों को प्रत्याशित भी करता है उन्हें बहुत कार्य करने के लिए प्रेरित करता है। यह कार्यक्षेत्र की वास्तविक समस्याओं को समझते हुए उसका समाधान भी करता है अर्थात् नेतृत्व की विचारधारा से हमें यह सीखने को मिलता है कि किसी प्रबंधन को दैनिक कार्य अर्थात् POSDCORB ही परिपूर्ण पूरा होता है कार्य करने के लिए, अभिप्रेय, कर्मचारियों की समस्या का समाधान भी करना चाहिए अन्यथा कार्य महत्व नहीं होगा। इसी वजह से वाईन बेनिस जैसे विचारकों ने यह प्रस्तुत किया कि प्रबंधक सही कार्य करते हैं, नेता सही कार्य करते हैं। सही तरीके से ताल्पर्व POSDCORB जबकि सही कार्य से ताल्पर्व अधिनस्तों को प्रेरित करना, कार्य स्थल की समस्या का समाधान करना शामिल इससे प्रभावित कार्य की विचारधारा में नेतृत्व सबसे महत्वपूर्ण है।
नेतृत्व के सिद्धांत निम्न हैं:
1. महान व्यक्तित्व सिद्धांत
2. गण सिद्धांत
3. व्यवहारवादी सिद्धांत

प्रश्न 34.
विविध के अर्थ को समझाए हुए इसकी विशेषताएं एवं महत्व बताइए।
उत्तर
सामान्य रूप में किसी वस्तु अथवा सेवा के उद्देश्य से पूर्व तथा उसके विकास के परिचालन प्रावधानों को दी जाती जाती है। प्रो. वीलर के अनुसार "विविध वह प्रक्रिया जो प्रावधानों की आवश्यकता एवं संयुक्त के लिए की जाती है ताकि वस्तुएं एवं सेवाएं प्रारंभ की तक पहुँच सकें।" निष्कर्ष तौर पर कहा जा सकता है कि विविध प्रबंधन की महत्वपूर्ण क्रिया है जिसमें विभाग की आवश्यकताओं के अनुसार उपयोग एवं सेवाओं का निर्माण किया जाता है।
विविध की विशेषताएं:
1. मान्यता एवं आर्थिक क्रिया है।
2. यह प्रबंधनकृत प्रक्रिया है।
3. यह एक प्रावधान प्रक्रिया है।
4. उपयोगिता का सुझान - अर्थात विपणन के माध्यम से एक नवीन उत्पाद अथवा सेवा का जन्म होता है।
5. विपणन एक निर्देश चलने वाली प्रक्रिया या है।

महत्व
1. संस्था की सफलता का आधार
2. निर्माण, निर्माण एवं संचार में सहायगर
3. ग्राहकों को अधिकांश संतुलित प्रदान करने में सहायक
4. सामाजिक उत्तरदायित्व की पूर्ति
5. बाजार में सूचनाओं की जानकारी
6. जीवन स्तर में वृद्धि
7. अत्यावश्यक व्यापार में सफलता

लेखांकन एवं अंकेक्षण

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 15 शब्दों में दीजिए।

प्रश्न 35. विद्वो भ्रूंसिंग (काल्पनिक साज-सज्जा) से आप क्या समझते हैं?
उत्तर
निवेशकों एवं औद्योगिक संस्थाओं को आर्थिकता करने के लिए किसी उपक्रम द्वारा जानबूझ अपनी समस्तियों को बढ़ा-चढ़ाकर बताया जाना। यह एक प्रकार का कपड़ा है।

प्रश्न 36. वित्तीय विवारण विस्तारण के कोई दो उद्देश्य बताइए।
उत्तर
1. संस्था की वर्तमान उपायें का क्षतिग्रस्त या भाविक के बारे में अनुमान लगाना।
2. संस्था की वित्तीय दृष्टि, कार्यक्रम का विस्तारण करना।

प्रश्न 37. पूंजी देशीकरण अनुपात क्या है।
उत्तर किसी उपक्रम की इकविटी एवं स्थायी लागत वाले दायित्व के अनुपात को कहते हैं।

इकविटी

Capital gearing ratio = 

स्थायी लागत वाले दायित्व

महत्त्व: इस अनुपात की सहायता से उपक्रम स्थायी लागत वाले लाभ तथा लेता है जब उससे मिलने वाली आय ज्यादा हो एवं स्थायी लाभ की लागत कम।

प्रश्न 38. कार्यशील पूंजी से क्या तात्पर्य है।
उत्तर एक उपक्रम द्वारा दिन-प्रतिदिन के व्यवसाय को संचालित करने के लिए जिस धन की आवश्यकता होती है उसे कार्यशील पूंजी कहते हैं।

प्रश्न 39. सामाजिक लेखांकन किसे कहते हैं।
उत्तर यह लेखांकन का प्रथम एवं प्राथमिक चरण है। इसमें सामाजिक एवं पर्यावरणीय पहलुओं की ध्यान में रखकर कम्पनी की सफलता एवं असफलता को मापा जाता है। कंपनी लाभ कमाए पर यह सामाजिक और पर्यावरणीय मुद्दों के साथ समझौता करके न हो।
प्रश्न 40. अंकबंध के उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।
उत्तर
अंकबंध के दो उद्देश्य होते हैं।
क. प्राथमिक उद्देश्य: राय प्रकट करना, वित्तीय विवरणों की जाँच करे की वे सही व उचित प्रकटीकरण कर रहे या नहीं।
ख. द्वितीय उद्देश्य:
1. अशुद्धि एवं कपट का पता लगाना।
2. अशुद्धि एवं कपट के दोहराव को रोकना।
3. कर्मचारियों पर नैतिक प्रभाव ढालना।
4. भविष्य के लिए मार्गदर्शक की भूमिका निभाना।

प्रश्न 41. गलती एवं कपट में अंतर स्पष्ट कीजिए।
उत्तर
1. अनजाने में
2. इसे छिपाने का उद्देश्य नहीं होता है
3. फकड़ना आसान
उद्देश्य: भूल जाना, गलत लिख देना

प्रश्न 42. बजटीय सिफारिश की एकलता के लिए आवश्यक तत्त्व क्या-क्या है।
उत्तर
1. उद्देश्यों का पूर्व निर्धारण हो।
2. समन्वित व्यक्ति को जिम्मेदारी देना।
3. उचित संचार माध्यम का उपस्थित होना।
4. बजट लौचपूर्ण होना चाहिए।
5. बजट निर्माण में सभी व्यक्तियों का योगदान होना चाहिए।

प्रश्न 43. विवादन निष्णात के 4 प्रमुख तत्त्व कौन-कौन से हैं।
उत्तर
बजटीय निर्माण के तत्त्व बताईए।
1. निर्देशन: उच्च अधिकारी सभी चरणों के लिए योजना बनाते हैं ताकि भविष्य को गतिविधियाँ निर्धनत समय पर पूरी हो सके।
2. समान्त: सभी विभागों के मध्य समुचित तालेब्य आवश्यक है।
3. संचार: सभी बजटीय नियामकों के लिए संचार का होना आवश्यक अन्यथा बजटीय कार्यक्रम अपना उद्देश्य पूरा नहीं कर पाते हैं।
4. नियामक: कार्य को नियामित किये जाने पर उन पर नियामक आवश्यक है ताकि विचलन होने पर उनमें सुधार हो सके।

प्रश्न 44. जाँच और अंकबंध में कोई 3 अंतर बताईए।
उत्तर
1. प्राथमिक कार्य
2. अशुद्धि या कपट को रोकना।
3. यह अनिवार्य रूप से संघर्ष में ही मौजूद व्यक्ति द्वारा करवाया जाता है।

अंकबंध

विवादन

द्वितीय कार्य

अशुद्धि या कपट को पकड़ना।

व्यक्ति द्वारा करवाया जाता है।
प्रश्न 45. सामाजिक अंकेक्षण से क्या तात्पर्य है?
उत्तर भारत में समय-समय पर सरकार द्वारा बिचित्र योजनाएँ शुरू की जाती है। इन योजनाओं की सामाजिक संदर्भ में कोई गहन जीवन को उपरोक्त योजना अपने लक्ष्य में किस स्तर पर सफल हुई है। सामाजिक अंकेक्षण कहलाता है। सामाजिक अंकेक्षण को रूढ़िवाद मदरसेगा से हुआ था और इसमें निम्न बातों का ध्यान रखते हैं।
1. योजना में लाभार्थी वर्ग के जीवन स्तर में परिवर्तन।
2. गैर लाभार्थी वर्ग पर योजना का प्रभाव।
3. योजना के व्यय एवं वित्तवयोग की जाँच।

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 100 शब्दों में दीजिए।

(2x10=20)

प्रश्न 46. विभिन्न विवरण का अर्थ साफ़ करते हुए इसकी प्रमुख विधियाँ का वर्णन करें।
उत्तर अर्थ: विभिन्न विवरण उस लिखित को कहा जाता है जो किसी प्रकार की सूचना को प्रकट करता है। लेखांकन की परम्परागत विचारधारा के अनुसार किसी संस्था की विभिन्न वर्ग से सम्बन्धित विचित्र सूचनाओं को प्रकट करने वाला विवरण विभिन्न विवरण कहलाता है। वर्तमान समय की लेखांकन की विधियाँ में आय-व्यय के साथ-साथ मानव संसाधन विवरण, प्रबन्धकीय विवरण, सामाजिक लेखांकन को भी शामिल किया जाता है।

प्रमुख विधियाँ निम्न हैं:
1. कोष-प्रवाह विधि: सबसे प्रचलित विधि। इसमें विशेषकर कोष के स्रोत जैसे आय, ऑर्डर, सहायता एवं कोष के उपरोक्त जैसे व्यय, दाताओं का भुगतान निवेश की स्थिति का पता करने वाला विद्युत स्थिति का पता लगाने वाले हैं।
2. रोकड़ प्रवाह विधि: इसमें यह संस्था के पास रोकड़ का अन्त: प्रवाह रोकड़ के बाहर प्रवाह से ज्यादा हो तो संस्था की सुदृढ़ विनियमित स्थिति को रोकता है। यह तकनीक रोकड़ जीवन प्रभावी है जिसमें रोकड़ का लेन-देन ज्यादा होता है जैसे बैंक, वित्तीय संस्थाएं इत्यादि।
3. तुलनात्मक विधि: इस विधि में संस्था के व्यवहारों को फिरोटेरेन्ट वर्ग की तुलना करते हुए तुलनात्मक रूप से परखा जाता है जिससे संस्था की वृद्धि दर के अनुसार संस्था की प्रगति का अनुमान लगाया जा सकता है।

प्रश्न 47. हाल ही के दिनों में "एक साल चुनाव की माँग" समाचार पत्रों में चर्चा में रही। यह RAS मुख्य परीक्षा में निवेश का महत्वपूर्ण विषय हो सकता है अत: आप से निवेदन है आप इस विषय पर एक निबंध लिखो।
उत्तर आप निर्णय बिन्दुओं का प्रयोग अपने लेख में करें।
एक साल चुनाव: पक्ष के तर्क
1. भारत विशाल देश है अत: किसी न किसी राज्य में चुनाव चलते रहते हैं।
2. गवर्नेंस में समस्या - आक्रामक नीतिगत निर्णय लेना कठिन।
3. विभिन्न कारों में गिरावट
4. चुनावी खर्च में कमी
5. कार्य धन पर लगाव एवं भ्रष्टाचार में कमी
6. सार्वजनिक जीवन के व्यवस्थान में कमी आयेगी।
विषय में तर्क
1. देश के सांस्थिक ढाँचे के विरुद्ध
2. विधानसभाओं का कार्यकाल बढ़ाया या घटाया जायेगा जो राज्यों की स्वायत्तता के विरुद्ध
3. राष्ट्रीय मुद्दों के सामने क्षेत्रीय मुद्दों गोपन हो जायेंगे।

व्यवहारिक समस्याएँ: संविधान संशोधन करना पड़ेगा, ई.वी.एम. की कमी, प्रशासनिक क्षमता का अभाव सुझाव: वर्तमान में चुनाव संभव नहीं, अवसर चक्कर व लाजिस्टिक की स्थिति सुदृढ़ हो, और अन्य चुनाव सुधारों को पहले लागू करे।